B.A. Part II (Hons)
Paper IV
तुलनात्मक शासन एवं राजनीति

तुलनात्मक राजनीति की परिभाषा एवं प्रकृति

राजनीति शास्त्र में व्यवहारवादी आंदोलन के बाद परंपरागत अवधारणाओं के प्रति उदासीनता तथा नई धारणाओं के प्रति उत्साह एवं उत्सुकता एक स्वाभाविक प्रवृत्ति ही कही जा सकती है। परंपरागत दृष्टिकोण से तुलनात्मक शासन के अध्ययन में हम कुछ देशों की सरकारों की संस्थागत तुलना करते रहे हैं। इसके फलस्वरूप हम विभिन्न देशों के राजनीतिक क्रियाकलापों का सही मूल्यांकन करने में असमर्थ होते हैं।

विभिन्न विद्वानों ने तुलनात्मक राजनीति की अलग-अलग परिभाषाएँ दी हैं। एडवर्ड फ्रीमैन के अनुसार, "तुलनात्मक राजनीति संस्थाओं एवं सरकारों के विविध प्रकारों का एक तुलनात्मक विवेचन एवं विश्लेषण है।" विभिन्न विद्वानों के द्वारा दिए गए परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि तुलनात्मक राजनीति का संबंध केवल सरकारों तथा संविधानों से नहीं है। इसका संबंध राज्य में स्थित और भी कई प्रकार की संस्थाओं, निकायों एवं उनकी गतिविधियों से है। आज हम राजनीति के केवल सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन कर राजनीतिक घटनाओं तथा राजनीतिक क्रिया-कलापों को सही परिप्रेक्ष्य में नहीं समझ सकते। तुलनात्मक राजनीति के अन्तर्गत निम्नलिखित बातों का अध्ययन आवश्यक रूप से किया जाता है—

(क) सरकार एवं संविधान के स्वरूप,
(ख) अनौपचारिक एवं गैर-राजकीय संस्थाओं जिनका राजनीतिक निर्णय-प्रक्रिया पर पड़ता हो,
(ग) व्यक्तियों के राजनीतिक व्यवहार,
(घ) राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करनेवाले तत्व एवं प्रक्रियाएँ,
(ङ) सरकार एवं नागरिकों के पारस्परिक सम्बन्धों का स्वरूप तथा उनके प्रभाव।

तुलनात्मक राजनीति के सही संदर्भों को समझने के लिए 'तुलनात्मक शासन' एवं 'तुलनात्मक राजनीति' के अंतर को समझना नितांत आवश्यक है। जी० के० रॉबर्ट्स के

मतानुसार, "तुलनात्मक शासन का प्रयोग राज्यों, इनकी संस्थाओं और उनके कार्यों से सम्बद्ध कुछ समूहों, राजनीतिक दलों तथा हित-समूहों के अध्ययन हेतु उपयुक्त है।" इसके विपरीत, तुलनात्मक राजनीति शासन तथा गैर-शासकीय राजनीति, कबीलों, निजी संस्थाओं तथा सामाजिक पर्यावरण के अध्ययन का समावेश किया जाता है। फ्रीमैन के अनुसार तुलनात्मक शासन राजनीतिक संस्थाओं के स्वरूपों का तुलनात्मक अध्ययन है। तुलनात्मक राजनीति के अन्तर्गत विभिन्न राष्ट्रों की संस्थाओं में जो समताएँ दिखाई देती हैं, उनका अध्ययन किया जाता है। तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र तुलनात्मक शासन की अपेक्षा अधिक व्यापक तथा अधिक विस्तृत है। तुलनात्मक राजनीति राजनीतिक व्यवहार की संपूर्णता का अध्ययन है।

प्रकृति :- तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति के संबंध में दो प्रमुख विचारधाराएँ पाई जाती हैं — उदग्र (vertical) तथा क्षैतिज (horizontal)।

लंबात्मक या उदग्र तुलनात्मक अध्ययन के अनुसार तुलनात्मक राजनीति के अन्तर्गत एक ही देश में विभिन्न स्तरों पर स्थापित सरकारों तथा उनको प्रभावित करनेवाले राजनीतिक आचरणों का अध्ययन किया जाता है। यह दृष्टिकोण युक्तिसंगत नहीं प्रतीत होता है क्योंकि इसमें सरकारों की तुलना मात्र संस्थाओं की औपचारिकता तक ही सीमित रहती है। राजनीतिक व्यवहार के अध्ययन एवं विश्लेषण में इससे कोई सहायता नहीं मिलती। किसी देश की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय सरकारों के बीच असमानताओं की मात्रा इतनी अधिक होती है कि इनके तुलनात्मक विश्लेषण से सामान्यीकरण का मार्ग प्रशस्त नहीं होता। अतः यह विचारधारा तुलनात्मक राजनीति की सही प्रकृति का चित्रण नहीं करती।

दूसरी विचारधारा है अंतरराष्ट्रीय या क्षैतिज तुलनात्मक अध्ययन। इस विचारधारा के प्रवर्तकों का कहना है कि तुलनात्मक राजनीति विभिन्न देशों की राष्ट्रीय सरकारों की क्षैतिज तुलना है। इस प्रकार के तुलनात्मक अध्ययन में दोनों बातें निहित हैं — एक तो यह कि तुलना एक ही देश के विभिन्न कालों में स्थापित राष्ट्रीय सरकारों से हो सकती है। दूसरी ओर, किसी देश की विद्यमान सरकार की तुलना विश्व के अन्य राष्ट्रों की सरकारों से भी की जा सकती है। इस प्रकार के तुलनात्मक अध्ययन से न केवल काफी सामग्री उपलब्ध होती है, वरन् यह अधिक उपयोगी और प्रामाणिक भी सिद्ध होती है।